मिनिस्ट्री ऑफ इलेक्ट्रॉनिक्स एंड इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी ने शुरू की है स्कीम- टेक्नोलॉजी इनक्यूबेशन एंड डेवलपमेंट ऑफ आंत्रप्रेन्योर्स (टाइड-2), कोरोना के दौर में इनोवेटिव आइडियाज पर स्टार्टअप करने वालों के लिए **गोल्डन अपॉर्च्युनिटी**

टाइड-2 में चुने गए 51 इनक्यूबेशन सेंटर्स में शहर का 36 INC भी, यूनीक बिजनेस आइडिया है तो देंगे 4 से 40 लाख की फंडिंग

CITY BHASKAR EXCLUSIVE

सिटी रिपोर्टर . रायपुर

कोरोना संकट के बाद यूनीक आइडिया पर स्टार्टअप शुरू करने की इच्छा रखने वालों के लिए अच्छी खबर है। मिनिस्ट्री ऑफ इलेक्ट्रॉनिक्स एंड इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी (एमआईटी) ने टेक्नोलॉजी इनक्यूबेशन एंड डेक्लपमेंट ऑफ आंत्रप्रेन्योर्स (टाइड 2.0) स्कीम के तहत देशभर के 51 इनक्यूबेशन सेंटर्स को सलेक्ट किया है। इसमें राज्य का इनक्यूबेशन सेंटर 36 आईएनसी भी शामिल है। इस स्कीम का मकसद देश में आईटी बेस्ड स्टार्टअप्स को बढ़ावा देना, उन्हें गाइड करना, आंत्रप्रेन्योर्स को फंडिंग देकर बिजनेस करने में मदद करना है। स्कीम के तहत सात सेक्टर्स में स्टार्टटप करने के लिए 4 लाख से 40 लाख रुपए तक की फंडिंग की जाएगी। स्टार्टअप तीन कैटेगिरी में चुने जाएंगे। यही नहीं नामी एक्सपर्ट आइडिया और बेहतर करने, कमियां दूर करने, नेक्स्ट लेवल की फंडिंग जुटाने में भी मदद करेंगे।

इन सात सेक्टर्स के स्टार्टअप को मिलेगा मौका

7 सेक्टर्स में लेटेस्ट टेक्नोलॉजी की मदद से बड़ा बदलाव करने में सक्षम बिजनेस आइडिया को जरूरी सुविधाएं, फंडिंग दी जाएगी। ये हैं 7 सेक्टर

1 हेल्थकेयर
2 एजुकेशन
3 एग्रीकल्चर
4 फाइनेंशियल इनक्लूशन इनक्लूडिंग डिजिटल पेमेंट,
5 इंफ्रास्ट्रक्चर, एंड ट्रांसपोर्ट सेक्टर
6 एन्वायरमेंट एंड क्लीन टेक
7 क्लीन एनर्जी एंड अदर इमर्जिंग एरियाज

ये सुविधाएं भी मिलेंगी: ▪ 25 हजार स्क्वेयर फीट में बने 36 आईएनसी के को-वर्किंग स्पेस में काम करने का मौका मिलेगा। ▪ सेंटर में फैब लैब भी है, जहां प्रोडक्ट का डेमो बना सकते हैं। ▪ सेंटर से कई एक्सपर्ट, जुड़े हैं, जो आंत्रप्रेन्योर्स को निशुल्क गाइड करेंगे।

स्कीम के तहत इन तीन कैटेगिरी में सलेक्ट किए जाएंगे स्टार्टअप, जानिए कितनी फंडिंग मिलेगी

आंत्रप्रेन्योर इन रेसिडेंस : ये इस स्कीम की पहली कैटेगिरी है। ऐसे आंत्रप्रेन्योर्स जिनके पास अच्छा बिजनेस आइडिया है, लेकिन किसी भी कारणवश उन्होंने अब तक आइडिया पर कुछ ठोस काम नहीं किया है, वे भी इस योजना के तहत आवेदन कर सकते हैं। अगर आइडिया अच्छा होगा तो इस लेवल पर चुना जाएगा। 4 लाख रुपए की शुरुआती फंडिंग देंगे।

ग्रांट: ये सेकेंड कैटेगिरी है। जिन्होंने अपने आइडिया पर काम शुरू कर दिया है, मिनिमम वायबल प्रोडक्ट (एमवायपी) रेडी कर लिया है, उन्हें बिजनेस के डेक्लपमेंट के लिए 7 लाख की ग्रांट दी जाएगी। इस कैटेगिरी में ऐसे आंत्रप्रेन्योर्स आवेदन कर सकेंगे, जिन्होंने प्रोडक्ट रेडी कर लिया हो।

इनवेस्टमेंट: ये थर्ड कैटेगिरी है। जो स्टार्टअप यूनिक आइडिया पर काम शुरू कर चुके हैं, जिन्होंने प्रोडक्ट तैयार कर लिया है और अब कमर्शियल लॉन्च के लिए तैयार हैं, वे इस कैटेगिरी में आवेदन कर सकते हैं। इस योजना के तहत उन्हें बिजनेस ग्रोथ के लिए 40 लाख की रकम दी जाएगी।

स्टार्टअप की फंडिंग की समस्या दूर होगी, उन्हें अपनी कमियां पता चलेंगी

● *लोकल स्टार्टअप के सामने सबसे बड़ी समस्या फंडिंग की होती है। अब ये कमी दूर होगी। उन्हें गाइड करने वाले एक्सपर्ट मिलेंगे तो कमियां पता चलेंगी और खुद को बेहतर कर बिजनेस आगे बढ़ा पाएंगे। हर स्टार्टअप से कम से कम 8 से 10 लोगों को रोजगार भी मिलेगा। कुल मिलाकर इससे लोकल इकोनॉमी आगे बढ़ेगी।*

– **डॉ. भारत भास्कर,** डायरेक्टर, आईआईएम रायपुर

आवेदन के लिए मिलेंगे 15 दिन

● *वेबसाइट 36inc.in पर जल्द ही टाइड के तहत एप्लीकेशन प्रोसेस शुरू हो जाएगी। आवेदन के लिए लगभग 15 दिन मिलेंगे। जिन्हें लगता है कि उनका आइडिया अच्छा है वो पेपर वर्क शुरू कर दें। स्टार्टअप का नाम, पैनकार्ड, डीआईपीपी रजिस्ट्रेशन के लिए आवेदन कर दें।*

– **रवि सिंह,** सीईओ, 36Inc, एडिशनल सीईओ चिप्स

Dainik Bhaskar, 16th May 2020, P. 01 (City Bhaskar).jpg